

कोर्स Review

साइंस स्ट्रीम से 12वीं करने वाले इसके कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं।

बैचलर डिग्री करने के बाद बन सकते हैं रेडियोग्राफर

किसी भी बीमारी के इलाज में जांच एक प्रमुख हिस्सा होती है। वर्तमान में कई गंभीर बीमारियां ऐसी हैं जिनकी जांच के इलाज से पहले कई प्रकार की जांच करनी होती है। ऐसी में जांच के लिए जरूरी सुविधाएं अब लगभग सभी हॉस्पिटल का प्रमुख हिस्सा हैं। ऐसे ही कई जांच रेडियोग्राफी के अंतर्गत आती हैं। मेडिकल सुविधाएं जैसे-जैसे लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बनती जा रही हैं, रेडियोग्राफी के क्षेत्र में भी प्रोफेशनल की मांग बढ़ी है।

कहां से करें कोर्स

- एमएस, दिल्ली
www.aiims.edu/
- दिल्ली यूनिवर्सिटी
www.du.ac.in/
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
www.rguhs.ac.in/
- टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई
www.tmc.gov.in

क्या है रेडियोग्राफी

रेडियोग्राफी मेडिकल प्रोफेशन का हिस्सा है। इसका उपयोग शरीर के अंदरूनी हिस्सों की बीमारियों का पता लगाने के लिए किया जाता है। सामान्य ढंग से रोग के सभी लक्षणों का पता लगा पाना संभव नहीं है। ऐसे में रेडियोग्राफी की मदद से शरीर के भीतरी हिस्सों से भी रोग के प्रभाव को मापा जाता है। यह काम एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग के माध्यम से किया जाता है।

कैसे ले सकते हैं प्रवेश

रेडियोग्राफी के कोर्स बैचलर स्तर पर मौजूद हैं। 50 फीसदी अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी से बारहवीं करने वाले छात्र इसके बैचलर डिग्री कोर्स में प्रवेश के लिए योग्य हैं। छात्र रेडियोग्राफी के बीएससी या बीएससी (ऑनर्स) कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। इसमें प्रवेश के लिए प्रतिष्ठित संस्थान खुद का एंट्रेंस टेस्ट आयोजित करते हैं।

कहां कर सकते हैं जॉब

रेडियोग्राफर हॉस्पिटल में ऑपरेशन थिएटर या डॉक्टर के साथ डायग्नोस्टिक इमेजिंग डिपार्टमेंट और इंटेंसिव केयर यूनिट, नर्सिंग होम और सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में काम कर सकते हैं।

क्या होगा सैलरी पैकेज

रेडियोग्राफी के क्षेत्र में कॅरिअर की शुरुआत में प्रोफेशनल को 10 से 12 हजार रुपए प्रति माह का पैकेज मिल सकता है। हालांकि कुछ वर्षों के अनुभव के बाद इसके ज्यादा होने की संभावना होती है। सुपर स्पेशिएलिटी अस्पतालों में यह और भी ज्यादा हो सकता है।

.....: फैक्ट फाइल :

देश का हेल्थकेअर सेक्टर सालाना 23 फीसदी की दर से बढ़ रहा है और 2020 के अंत तक 280 अरब डॉलर का हो जाएगा। इस वर्ष हेल्थकेअर सेक्टर के रेवेन्यू में 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसके अलावा देश में मेडिकल टूरिज्म भी 22 से 25 फीसदी की दर से बढ़ रहा है।